नईदुनिया

खास-खबरें

सैनडिस्क ने लॉन्च किए नए साटा एसएसडी, पीसी अपग्रेड होगा आसान

नई दुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: डिजिटल वर्कलोड और तेज स्टोरेज की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए सैनडिस्क ने 520 और 320 साटा एसएसडी पेश किए हैं। दोनों ड्राइव 2.5 इंच फॉर्म फैक्टर में



उपलब्ध हैं। सैनडिस्क 520 एसएसडी खासतौर पर आईटी प्रोफेशनल्स, कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोज्यूमर्स के लिए बनाया गया है। इसमें 4 टीबी तक स्टोरेज और 525 एमबी प्रति सेकंड तक रीड एवं राइट स्पीड मिलती है। यह पांच साल की सीमित वारंटी के साथ 8,600 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। वहीं, सैनडिस्क 320 एसएसडी रोजमर्रा के कंप्यूटिंग कार्यों और पीसी अपग्रेड के लिए उपयोगी है। इसमें 250 जीबी से 2 टीबी तक क्षमता और 545 एमबी प्रति सेकंड तक स्पीड मिलती है। इसकी शुरुआती कीमत 5,700 रुपये और वारंटी तीन साल है।

1 जनवरी 2027 से बेकार नहीं होगी आपकी चेकबुक

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सोशल मीडिया पर इन दिनों एक संदेश तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि 31 दिसंबर 2026 के बाद बैंकों की मौजूदा चेकबुक बेकार हो जाएंगी। संदेश में कहा गया है कि एक जनवरी 2027 से नए सुरक्षा मानकों वाली चेकबुक लागू की जाएंगी। इस दावे को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इसे पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि फिलहाल चेक ट्रंकेशन प्रणाली के अंतर्गत इस्तेमाल होने वाली मौजूदा चेकबुक में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा रहा है। ऐसे में ग्राहकों को अपनी पुरानी चेकबुक बदलवाने या नई चेकबुक के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं है। रिजर्व बैंक ने लोगों से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। सोशल मीडिया और वाट्सऐप पर प्रसारित संदेशों में कहा जा रहा था कि मौजूदा मानक चेकबुक 31 दिसंबर 2026 से बंद हो जाएंगी। इसके स्थान पर एक जनवरी 2027 से नई सुरक्षा सुविधाओं वाली चेकबुक इस्तेमाल करनी होगी। इस संदेश के कारण चेक से भुगतान करने वाले ग्राहकों के बीच असमंजस की स्थिति बन गई थी। रिजर्व बैंक ने सात नवंबर को अपने आधिकारिक सामाजिक माध्यम खाते पर स्पष्टीकरण जारी किया था। इसमें बताया गया कि मौजूदा चेकबुक बदलने और नए सुरक्षा मानक लागू करने संबंधी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। प्रसारित संदेश तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। चेक ट्रंकेशन प्रणाली बैंकों में चेक का भुगतान निपटाने की इलेक्ट्रॉनिक व्यवस्था है। इसके तहत चेक को एक बैंक से दूसरे बैंक तक भौतिक रूप से भेजने के बजाय उसकी छवि और आवश्यक जानकारी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजी जाती है। इससे भुगतान प्रक्रिया तेज होती है और चेक के आवागमन में लगने वाला समय कम होता है। रिजर्व बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि बैंकिंग नियमों में बदलाव से संबंधित किसी भी संदेश पर विश्वास करने से पहले उसकी आधिकारिक पुष्टि करें।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में सीमित दायरे में कारोबार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अमेरिका में महंगाई के ऊंचे आंकड़ों और ब्याज दरों को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच आज क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में हल्की सुस्ती और सीमित दायरे में कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। बाजार में सतर्कता का माहौल हावी होने के कारण अधिकांश प्रमुख डिजिटल संपत्तियां मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बनी हुई हैं। निवेशकों द्वारा ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली करने से दुनिया की सबसे बड़ी आभासी मुद्रा बिटकॉइन आज भी 74 हजार डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे ही कारोबार कर रही है। क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिले ताजा और लाइव आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय समय के अनुसार आज शाम ठीक छह बजे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान 0.21 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिटकॉइन का भाव 73,490.06 डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 69.10 लाख रुपये के स्तर पर बना हुआ है। इसी तरह दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी बिकवाली के हल्के दबाव में फंसकर 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,047.52 डॉलर के भाव पर कारोबार कर रही है।बिटकॉइन और एथेरियम में आई इस सुस्ती के बीच शीर्ष 10 में शामिल अन्य प्रमुख ऑल्टकॉइन्स के बाजार में भी मंदी का असर दिखाई दे रहा है।

खाद्य पदार्थों, दूध, प्याज और लहसुन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर

खुदरा महँगाई 6.09 प्रतिशत एक साल के उच्चतम स्तर पर

नई दुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश में खुदरा महँगाई ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले 12 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। सितंबर में यह दर 5.54 प्रतिशत थी। इस तरह एक महीने में महंगाई में 0.55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई है। रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों, दूध और प्याज जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही।

अक्टूबर में खाद्य महँगाई दर बढ़कर 8.94 प्रतिशत हो गई, जबकि सितंबर में यह 7.74 प्रतिशत थी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। ऐसे में खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ने का सीधा असर समग्र महंगाई पर पड़ता है। प्याज, लहसुन और अदरक जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि से घरेलू बजट प्रभावित हुआ है।

अक्टूबर 2024 में खुदरा महँगाई दर 6.2 प्रतिशत दर्ज की गई थी। इसके बाद पहली बार नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक श्रृंखला के आधार पर अक्टूबर 2026 में महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक की छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा से आगे निकल गई है। रिजर्व बैंक का लक्ष्य महंगाई को चार प्रतिशत के आसपास बनाए रखना है। इसके लिए छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा निर्धारित की गई है।



ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा महंगाई

अक्टूबर में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महँगाई बढ़ी। ग्रामीण महँगाई दर सितंबर के 6.08 प्रतिशत से बढ़कर 6.63 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी महंगाई 4.88 प्रतिशत से बढ़कर 5.41 प्रतिशत पर पहुंच गई। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर खर्च का हिस्सा अधिक होने के कारण अनाज, सब्जियों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का असर ज्यादा दिखाई देता है। इसके विपरीत शहरी परिवारों के बजट में मकान किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन पर भी बड़ा खर्च होता है।

ब्याज दरों पर बढ़ सकता है दबाव

महंगाई में लगातार बढ़ोतरी से रिजर्व बैंक पर इसे नियंत्रित करने का दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में ब्याज दरों में वृद्धि का विकल्प सामने आ सकता है। ब्याज दरें बढ़ने पर आवास, वाहन और अन्य ऋण महंगे हो सकते हैं। इससे लोगों की कर्ज लेने और खर्च करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से महंगाई के दबाव में कुछ कमी आने की संभावना है। ब्रेंट कच्चे तेल का भाव करीब 92 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव तथा होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। 6.09 प्रतिशत महँगाई दर का अर्थ है कि अक्टूबर 2025 की तुलना में अक्टूबर 2026 में वस्तुओं और सेवाओं की औसत कीमतों में 6.09 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

एनवीडिया के अगले प्रमुख बन सकते हैं टिम कुक, जेनसन हुआंग के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा तेज

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों में शामिल एनवीडिया के अगले प्रमुख को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग के उत्तराधिकारी के रूप में एप्पल के पूर्व प्रमुख टिम कुक का नाम सामने आया है। हालांकि, एनवीडिया ने उन्हें अगला प्रमुख बनाने को लेकर कोई आधिकारिक प्रस्ताव या घोषणा नहीं की है। यह नाम एक विशेषज्ञ की राय के बाद चर्चा में आया है। येल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्रोफेसर जेफरी सोनेनफेल्ड ने एनवीडिया के संभावित उत्तराधिकारी पर चर्चा करते हुए टिम कुक को मजबूत विकल्प बताया है। उनका मानना है कि यदि कंपनी को संस्थापक के बाद बाहर से किसी अनुभवी नेतृत्वकर्ता की जरूरत पड़ती है, तो कुक इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त हो सकते हैं।

एप्पल को संभालने का लंबा अनुभव

टिम कुक ने वर्ष 2011 में स्टीव जॉब्स के बाद एप्पल की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में कंपनी ने कारोबार का विस्तार किया और आईफोन, एप्पल वॉच तथा एयरपॉड्स जैसे उत्पादों के माध्यम से वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत की। सितंबर 2026 में उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारी का पद छोड़ दिया था। उनकी जगह जॉन टर्नस ने जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद कुक एप्पल के कार्यकारी अध्यक्ष बन गए। कुक को वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था, विनिर्माण और बड़े स्तर पर कारोबार संचालित करने का अनुभव है। एनवीडिया के लिए यह अनुभव महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि कंपनी का कारोबार दुनिया की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों, आंकड़ा केंद्र संचालकों और विभिन्न सरकारों से जुड़ा है। एनवीडिया के संभावित उत्तराधिकारियों में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। इनमें इयान बक प्रमुख हैं, जो कंपनी में उच्च क्षमता वाली संगणना और बड़े आंकड़ा केंद्रों से जुड़े कारोबार की जिम्मेदारी संभालते हैं।

आम आदमी का घरेलू बजट बिगड़ा, दूध-दही से लेकर गैस सिलेंडर तक के बढ़े दाम

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: पिछले दो महीनों में रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी कई वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। दूध, दही, घी, मक्खन, साबुन, कपड़े धोने का पाउडर, सूखे मेवे और गैस सिलेंडर महंगे होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। अमूल और मदर डेयरी ने 12 नवंबर से दूध की कीमतों में चार रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। वहीं, कर्नाटक में नंदिनी ब्रांड का दूध पहले ही 12 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो चुका है। मदर डेयरी ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 12 नवंबर से दूध की कीमतों में दो से चार रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। कंपनी के अनुसार, दूध उत्पादक किसानों से खरीद की लागत और उनके उत्पादन संबंधी खर्च बढ़ने के कारण यह निर्णय लिया गया है। कंपनी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 35 लाख लीटर और देश के अन्य बाजारों सहित कुल 50 लाख लीटर से अधिक दूध बेचती है। इससे पहले मई 2026 में कीमतें बढ़ाई गई थीं। अमूल ने भी 12 नवंबर से अपने ताजे थैलीबंद दूध की कीमतें बढ़ा दी हैं। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ के अनुसार, प्रमुख किस्मों और पैक आकारों के दामों में चार से पांच प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। पशुओं के चारे, पैकेजिंग, ईंधन और प्रसंस्करण की लागत बढ़ने को इसका कारण बताया गया है। संस्था के मुताबिक, बढ़ी हुई कीमतों से प्राप्त अतिरिक्त आय का बड़ा हिस्सा दूध उत्पादक किसानों को बेहतर भुगतान देने में खर्च किया जाएगा। कर्नाटक दुग्ध महासंघ ने एक नवंबर से नंदिनी ब्रांड के दूध और दही की कीमतों में वृद्धि लागू की है। अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार दूध आठ से 12 रुपये प्रति लीटर और दही 14 रुपये तक महंगा हुआ है। राज्य सरकार ने सूखे की स्थिति और दूध की आपूर्ति में प्रतिदिन लगभग 10 लाख लीटर की कमी को इसका कारण बताया है। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने दूध की खरीद कीमत में आठ रुपये प्रति लीटर की वृद्धि को मंजूरी दी थी। इसमें से सात रुपये सीधे किसानों को दिए जाएंगे, जबकि एक रुपया पैकेजिंग, परिवहन और ईंधन जैसे खर्चों के लिए दुग्ध संघों को मिलेगा। इसके अलावा पिछले दो महीनों में घी, मक्खन, साबुन, कपड़े धोने के पाउडर, सिगरेट और सूखे मेवों के दाम भी बढ़े हैं। होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा विमान ईंधन की कीमतों में भी वृद्धि दर्ज की गई है।



- दो महीने में रोजमर्रा की कई जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी
- कपड़े धोने का पाउडर और सिगरेट भी महंगी

भारत अंतरिक्ष में विकसित करेगा स्वदेशी खुफिया उपग्रहों का समूह, एस्ट्रोम को मिलेगी 64.05 करोड़ की सहायता

- प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड और एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज के बीच समझौता
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस उपग्रहों के विकास पर खर्च होंगे 128.11 करोड़ रुपये



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत अपनी अंतरिक्ष आधारित खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस स्वदेशी उपग्रहों का समूह विकसित करेगा। इसके लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने बेंगलुरु की एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 64.05 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का समझौता किया है। इस परियोजना की कुल लागत 128.11 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए स्वदेशी अंतरिक्ष आधारित इलेक्ट्रॉनिक खुफिया प्रणाली विकसित करना है।यह सहायता अनुसंधान, विकास एवं नवाचार कोष के तहत दी जाएगी। इसके माध्यम से महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को चौथे प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर से नौवें स्तर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए परिवर्तनीय ऋण के माध्यम से वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। परियोजना के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित इलेक्ट्रॉनिक खुफिया उपग्रहों का एक समूह तैयार किया जाएगा। इसमें लगभग 50 किलोग्राम श्रेणी के सूक्ष्म उपग्रह विकसित किए जाएंगे। इन्हें पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने और चरणबद्ध तरीके से इनकी संख्या बढ़ाने की योजना है। इस व्यवस्था से बड़े भौगोलिक क्षेत्रों में निगरानी की क्षमता बढ़ेगी और निर्धारित क्षेत्रों पर बार-बार नजर रखी जा सकेगी।

इस परियोजना में तीन प्रमुख तकनीकी घटकों को शामिल किया गया है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक खुफिया उपकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित धरती पर आंकड़ों के प्रसंस्करण का सॉफ्टवेयर और उपग्रहों के बीच संचार व्यवस्था शामिल है। इलेक्ट्रॉनिक खुफिया उपकरण व्यापक आवृत्ति सीमा में संकेतों का पता लगाने और उनका विश्लेषण करने में सक्षम होंगे। वहीं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सॉफ्टवेयर उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों को तेजी से संसाधित करने और उनका विश्लेषण करने में मदद करेगा। इसके अतिरिक्त, उपग्रहों के बीच संचार व्यवस्था विकसित की जाएगी।

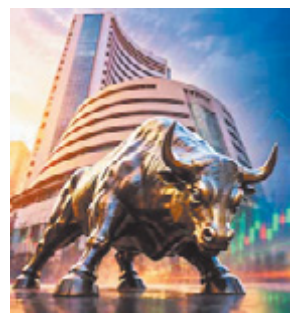
इससे एक ही समूह में शामिल उपग्रह आपस में सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकेंगे और एक समन्वित तंत्र के रूप में काम करेंगे। उपग्रहों की संख्या बढ़ने के साथ इस व्यवस्था की निगरानी क्षमता और कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। परियोजना के अंतर्गत आवश्यक प्रौद्योगिकी विकास, अभियांत्रिकी, एकीकरण, परीक्षण और सत्यापन का कार्य किया जाएगा। इसका उद्देश्य विकसित प्रणाली को नौवें प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर तक पहुंचाना है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि उन्नत अंतरिक्ष प्रणालियों के विकास के लिए निरंतर नवाचार, कठोर परीक्षण और दीर्घकालिक निवेश जरूरी है। अनुसंधान, विकास एवं नवाचार कोष के माध्यम से भारतीय उद्यमों को ऐसी अग्रणी प्रौद्योगिकियों के विकास में सहयोग दिया जा रहा है, जो देश की रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत कर सकें। एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज के अधिकृत प्रतिनिधि ने कहा कि बोर्ड से मिलने वाली सहायता से स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक खुफिया उपकरणों, आंकड़ों के प्रसंस्करण और उपग्रहों के बीच संचार प्रौद्योगिकी के विकास तथा एकीकरण में तेजी आएगी। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा की उभरती जरूरतों के अनुरूप एकीकृत अंतरिक्ष आधारित प्रणाली विकसित करने में मदद मिलेगी।

शेयर बाजार में मामूली तेजी, सेंसेक्स 32 अंक चढ़कर 81,911 पर बंद

निफ्टी में भी 44 अंकों की बढ़त, रियल्टी, मीडिया और बैंकिंग कंपनियों के शेयरों में रही खरीदारी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में बुधवार, 12 नवंबर को कारोबार के दौरान मामूली तेजी दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 32 अंकों की बढ़त के साथ 81,911 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 44 अंक चढ़कर 25,299 पर पहुंच गया। बाजार में रियल्टी, मीडिया और बैंकिंग क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली। हालांकि, प्रमुख सूचकांकों में तेजी सीमित रही।

कारोबार के दौरान निवेशकों की रुचि मुख्य रूप से संपत्ति कारोबार और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में दिखाई दी। इन क्षेत्रों में हुई खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। मीडिया क्षेत्र की



कंपनियों के शेयरों में भी निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई। इसके चलते दोनों प्रमुख सूचकांक पिछले कारोबारी स्तर की तुलना में बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे।

सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त

सेंसेक्स दिन के कारोबार के बाद 81,911 के स्तर पर बंद हुआ। इसमें पिछले बंद स्तर के मुकाबले 32 अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी 44 अंक बढ़कर 25,299 के स्तर पर पहुंच गया। दोनों सूचकांकों में आई तेजी के पीछे रियल्टी, बैंकिंग और मीडिया कंपनियों के शेयरों में हुई खरीदारी की प्रमुख भूमिका रही।

एशियाई बाजारों में रही गिरावट

भारतीय बाजार में तेजी के विपरीत प्रमुख एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 33 अंक यानी 0.61 प्रतिशत गिरकर 5,343 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई सूचकांक 429 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,819 पर पहुंच गया।

प्रतिद्वंद्वी कंपनी कल्शी से बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच कारोबार में बदलाव

दूसरों का भविष्य बताने वाली पॉलीमार्केट ने अपने कर्मचारियों को नौकरी से हटाया

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भविष्यवाणी बाजार में कारोबार करने वाली कंपनी पॉलीमार्केट ने अपने कर्मचारियों की छंटनी की है। कंपनी ने कारोबार के पुनर्गठन के तहत कुछ नियमित कर्मचारियों को नौकरी से हटाने के साथ कई ठेकेदारों के साथ भी कामकाजी समझौते समाप्त कर दिए हैं। प्रभावित कर्मचारियों में आधे से अधिक ठेके पर काम करने वाले लोग बताए जा रहे हैं। छंटनी का सबसे ज्यादा असर विपणन, ग्राहक सेवा और तकनीकी विभागों पर पड़ा है।

कंपनी ने हालांकि प्रभावित कर्मचारियों की कुल संख्या बताने से इनकार किया है। साथ ही, 30 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के दावे को भी खारिज किया है। कंपनी का कहना है कि पुनर्गठन के बावजूद नई भर्तियां और कारोबार का विस्तार जारी रहेगा।

ठेकेदारों को भेजा गया नौकरी समाप्ति का संदेश

पिछले सप्ताह पॉलीमार्केट की ओर से कुछ ठेकेदारों को भेजे गए संदेश का चित्र इंटरनेट पर प्रसारित हुआ था। इसमें कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या घटाने के फैसले के तहत चार नवंबर 2026 से ठेकेदारों के साथ समझौता समाप्त करने की जानकारी दी थी। कंपनी ने इस संदेश की पुष्टि भी की थी। पॉलीमार्केट के प्रवक्ता के अनुसार, नए नेतृत्व और कारोबार के अगले चरण की तैयारी के तहत संगठन में बदलाव किए गए हैं। इस प्रक्रिया में कुछ लोगों को हटाया गया है, जबकि नई नियुक्तियां भी हुई हैं। कंपनी में छंटनी ऐसे समय हुई है, जब उसे प्रतिद्वंद्वी भविष्यवाणी बाजार कल्शी से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। पहले पॉलीमार्केट इस क्षेत्र में आगे थी, लेकिन अब मासिक कारोबार की मात्रा के मामले में कल्शी उससे आगे निकल गई है। कल्शी को कारोबार के विस्तार और विभिन्न कंपनियों के साथ साझेदारी से लाभ मिला है। पॉलीमार्केट ने अपने नेतृत्व में भी बदलाव किए हैं। सितंबर में अमेजन के पूर्व अधिकारी वॉरेन जेनसन को कंपनी का पहला वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया था। वहीं, उबर के पूर्व अधिकारी ट्रैविस वेंडरजैंडेन को वृद्धि संबंधी गतिविधियों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्पेशल खबर बच्चों के लिए सामान मंगाता है एआई, पहाड़ों पर चढ़ने का भी करता है इंतजाम...

तकनीक का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए: जुकरबर्ग

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग अब अपने निजी कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहायक म्यूज का इस्तेमाल कार्यालय के कामकाज से ज्यादा पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाने में कर रहे हैं। यह सहायक बच्चों के लिए केक बनाने की सामग्री मंगाने से लेकर परिवार की यात्राओं की योजना बनाने और पहाड़ों पर चढ़ने के लिए अनुमति पत्र हासिल करने तक में उनकी मदद करता है। जुकरबर्ग का मानना है कि तकनीक की वास्तविक सफलता तभी है, जब वह लोगों को बेहतर पिता, पति और मित्र बनने में सहायता करे।

एक बातचीत के दौरान जुकरबर्ग ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में म्यूज को कार्यालय के कामों में सहयोग के लिए तैयार किया था, लेकिन अब यह उनके



निजी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। उनका उद्देश्य इस तकनीक के माध्यम से परिवार और मित्रों के लिए अधिक समय निकालना है।

बेटी के साथ केक बनाने में करता है मदद

जुकरबर्ग की तीन वर्षीय बेटी को केक और अन्य पकवान बनाने का शौक है। हालांकि, उन्हें स्वयं इस काम की अधिक जानकारी नहीं है। ऐसे में उन्होंने म्यूज को प्रत्येक रविवार के लिए पिता और बेटी के साथ मिलकर बनाए जा सकने वाले आसान पकवानों की विधि खोजने की जिम्मेदारी दी है। यह सहायक आवश्यक सामग्री की सूची तैयार करता है और ऑनलाइन सामान मंगाने की व्यवस्था भी करता है। हालांकि, हर बार इसकी सलाह सफल नहीं होती। जुकरबर्ग ने बताया कि एक बार म्यूज ने उन्हें केक पॉप्स बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन इसे तैयार करना काफी मुश्किल साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने अपने सहायक को इस अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया भी दी। जुकरबर्ग अपनी बड़ी बेटी के साथ पहाड़ों पर चढ़ने के लिए भी म्यूज की मदद लेते हैं। कई पहाड़ी क्षेत्रों में जाने के लिए विशेष अनुमति पत्र की आवश्यकता होती है, जिनकी उपलब्धता सीमित समय के लिए रहती है। म्यूज संबंधित वेबसाइट पर नजर रखता है और अनुमति पत्र उपलब्ध होते ही उसे प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी करता है। इसके बाद जुकरबर्ग अपनी कार्यालय की छुट्टी की योजना बनाकर बेटी के साथ यात्रा पर जाते हैं।

व्यायाम पर भी रखता है नजर

म्यूज का इस्तेमाल वह अपनी शारीरिक गतिविधियों के विश्लेषण के लिए भी करते हैं। उनके मिश्रित युद्धकला प्रशिक्षण केंद्र में लगे कैमरों से प्राप्त दृश्य देखकर यह सहायक व्यायाम की तकनीक और सहनशक्ति का आकलन करता है। जुकरबर्ग के अनुसार, कई बार यह उनकी कमियों को लेकर स्पष्ट और सख्त प्रतिक्रिया भी देता है। म्यूज सामान्य प्रश्नों के उत्तर देने वाले संवाद सहायक से आगे बढ़कर उपयोगकर्ता की ओर से काम करने में सक्षम है। इसे ईमेल, यात्रा, खरीदारी और अन्य सेवाओं से जोड़ा जा सकता है।

मेटा के अनुसार, इसमें सुरक्षा के लिए अलग आभासी कंप्यूटर व्यवस्था और निगरानी तंत्र भी बनाया गया है। संवेदनशील गतिविधियों के लिए उपयोगकर्ता की अनुमति ली जा सकती है। जुकरबर्ग का मानना है कि भविष्य में प्रत्येक व्यक्ति के पास ऐसा निजी कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहायक होगा, जो उसकी जरूरतों, लक्ष्यों और पसंद को समझकर चौबीसों घंटे मदद कर सकेगा।

यामाहा ने पेश किया नया विद्युत स्कूटर, एक बार चार्ज करने पर चलेगा 108 किलोमीटर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी यामाहा ने अपने नए विद्युत स्कूटर एक्सेंटर को पेश किया है। आकर्षक बनावट और बड़े आकार के पहियों के साथ उतारा गया यह स्कूटर एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर 108 किलोमीटर तक चल सकता है। कंपनी ने इसे खासतौर पर शहरों में रोजाना आवागमन करने वाले लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया है।

नए स्कूटर की सबसे खास बात इसकी बनावट है। इसमें बड़े पहियों का इस्तेमाल किया गया है, जो इसे सामान्य स्कूटरों से अलग पहचान देते हैं। बड़े पहियों के कारण सड़क पर संतुलन और चलाने के अनुभव में सुधार होने की उम्मीद है। इसकी बनावट आधुनिक और आकर्षक रखी गई है। यामाहा एक्सेंटर की घोषित दूरी एक बार पूरी तरह चार्ज होने पर 108 किलोमीटर तक है। यह क्षमता उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, जिन्हें प्रतिदिन कार्यालय, बाजार और अन्य जरूरी कामों के लिए छोटी दूरी तय करनी पड़ती है। विद्युत चालित होने के कारण इसमें पारंपरिक ईंधन की आवश्यकता नहीं होगी। कंपनी ने इस स्कूटर को शहरों में इस्तेमाल के लिहाज से तैयार किया है। इसकी बनावट में आरामदायक सफर और आसान संचालन को प्राथमिकता दी गई है। बड़े पहियों का डिजाइन इसे अलग रूप देता है और सड़क पर बेहतर पकड़ देने में मदद कर सकता है।